7 सूरदास के पद



सूरदास

(जन्म : सन् 1478 ई. : निधन : सन् 1573 ई.)

महाकवि सूरदासजी का जन्म कुछ लोगों के मतानुसार दिल्ली के पास सीही नामक गाँव में हुआ था। कई लोगों का मानना है कि इनका जन्म मथुरा के पास रुकना या रेणुका क्षेत्र में हुआ था। इनका जन्मांध होना भी विवादास्पद है। वल्लभाचार्य इनके गुरु थे। इनकी प्रेरणा से वे श्रीनाथजी मंदिर में कृष्ण की लीलाओं से संबंधित पदों की रचना करते थे। ये कृष्ण के अनन्य भक्त थे।

वात्सल्य एवं शृंगार रस के वर्णन में वे अद्वितीय हैं। प्रस्तुत पद में सूरदास की अनन्य भक्ति-भावना का परिचय मिलता है। उनका मन सिवाय कृष्ण के कहीं ओर सुख नहीं पाता। जिन आँखों ने कमल के समान नयनवाले श्रीकृष्ण का दर्शन कर लिया हो वे ओर देव की आराधना कैसे कर सकती हैं ? आराध्य देव का गुणगान सूरने किया है। दूसरे पद में भी कृष्ण का मनमोहक वर्णन किया है। बालकृष्ण की चेष्टाओं के माध्यम से बालक कृष्ण का मनोरम्य वर्णन किया है।

विनय तथा भक्ति

(1)

मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज को पंछी, फिरि जहाज पर आवै।
कमल-नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंगा कौं छाँड़ि, पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहिँ मधुकर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यों करील-फल भावै।
सूरदास-प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै।

(2)

सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरूनि चलन रेनु तन-मंडित, मुख दधि लेप किये।
चारू कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिये।
लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिँ पिए।
कठुला-कंठ, बज्र केहरि-नख, राजत रूचिर हिए।
धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए।

शब्दार्थ और टिप्पणी

अनत दूसरे स्थान पर, अन्यत्र **पंछी** पक्षी, विहग **महातम** महानता, माहात्म्य **ध्यावै** ध्यान करे **छाँड़ि** छोड़कर **पियासौ** प्यासा **दूरमति** खराब बुद्धिवाला **करीला** कंटीली झाड़ी **छेरी** बकरी **चारु** सुंदर **लोचन** आँख **मादक** नशायुक्त

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) जहाज का पंछी जहाज से उड़कर फिर कहाँ आता है ?
(2) सूरदास के मधुकर को करील फल क्यों नहीं भाता ?
(3) बालकृष्ण के मुख पर किसका लेप किया हुआ है ?
(4) सूर धन्य क्यों हुए ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए :

(1) सूर ने किन उदाहरणों द्वारा अपनी अनन्य भक्ति भावना प्रकट की है ?

(2) बालक कृष्ण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(3) सूरदास अपने आपको क्यों धन्य मानते हैं ?

3. तत्सम रूप दीजिए :

अनत, पंछी, महातम, पियासौ, दुरमति, लट, मधुहिँ, केहरि

4. समानार्थी शब्द लिखें :

पक्षी, अंबुज, कूप, मधुकर, धेनु, छेरी, नवनीत, लोचन, कंठ, नख

योग्यता-विस्तार

विद्यार्थी-प्रवृत्ति

- चलचित्रों में पाए जानेवाले सूरदासजी के पदों का संग्रह कीजिए ।
- सूरदास के जीवन और साहित्य सर्जन के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त कीजिए।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- सूरदास के चित्र प्राप्त करें तथा छात्रों से उनके जीवन और कथन के चार्ट्स करवाइए।
- मल्टीमिड़िया के उपयोग द्वारा सूरदास के पद की सी.डी. बनवाइए।

●